**राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान**
**उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : चित्रकला**
**पाठ 5 : भारतीय कांस्य मूर्ति**
**कार्यपत्रक - 5**

1. कांस्य प्रतिमाओं का प्रचार विशेष रूप से भारत में कब हुआ और कैसे? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

2. नटराज की मूर्ति की सौन्दर्यात्मक बनावट का उल्लेख अपने शब्दों में करें।

3. नटराज की मूर्ति में भगवान शिव की भावपूर्ण लय का सुंदर वर्णन हुआ है। सिद्ध करें।

4. 'यह संस्कार संतुलन के लिये अद्भुत है। 'मूर्ति की पहचान करें और संतुलन के लियेयह अद्भुत कैसे है?

5. ढोकरा ढुलाई की तक़नीक युक्त कुछ प्रतिमाओं का संक्षेप में उल्लेख करें।

6. 'प्रतिकृति पर गीली मिट्टी की परत लगाना और बाद में धूप में सुखाना,' इस प्रक्रिया तथा जिन देशों में इस प्रक्रिया का प्रयोग होता है, उनका उल्लेख करें।

7. 'ट्रायंफ़ औफ़ लेबर' मूर्ति क्या दर्शाती है? स्पष्ट करें।

8. 'वे प्रधान रूप से मूर्तिकार और चित्रकार थे।''वे' कौन थे? उनके अन्य कौशलों का वर्णन करें।

9. श्री डी.पी.राय चौधरी का कला के क्षेत्र में योगदान संक्षेप में लिखें।

10. उस संरचना की पहचान करें जो समकालीन भारतीय मूर्तिकला के उदाहरण के रूपमें विद्यमान है। कुछ पंक्तियों में प्रस्तुत करें।